On the auspicious occasion of National Science Day, Prof. R. Misra Memorial Lecture Series was organized by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj on 28.02.2022 through offline as well as online medium under Azadi ka Amrit Mahotsav. FRCER Prayagraj instituted this lecture series three years back in honour of Father of Indian Ecology.

The program was inaugurated by lighting the lamp by Guest Speaker Prof. N.K. Dubey, Head of Department, Botany, Banaras Hindu University, Varanasi and Dr. Sanjay Singh, Scientist-G & Head, FRCER along with other dignitaries. The dignitaries and researchers paid homage to Prof. Misra by paying floral tributes on his picture.

In his Welcome Address, Dr. Sanjay Singh delivered on the contribution of Prof. R. Misra in the world of science and opined that ecology and forest science in India owes to him for the progress made in the area.

Dr. Gopa Pandey, IFS (Retd.) and daughter of Prof. R. Misra delivered Inaugural Address. She observed that biodiversity conservation holds the key for country's development and urged the researchers to devote their efforts in the direction. Dr. Kumud Dubey, Scientist-E & Programme Coordinator spoke on the life and contributions of Prof. Misra.

Prof. N K Dubey, Head, Department of Botany, Banaras Hindu University delivered Prof. R. Misra Memorial Lecture on the topic " Think locally act globally with reference to ethnomedicinal plants of India". He was introduced to the listeners by Dr. Anita Tomar, Scientist-F.

Professor Dubey called upon to think about working locally in the context of at the world level. Explaining the importance of medicinal plants, he presented historical perspective and future opportunities in the sustainable utilization of indigenous medicinal plants to place India on the foremost position at the World arena. According to him, if there is no biodiversity, then the world is not possible.

The program was conducted by Dr. Anubha Srivastava, Scientist-D while the Vote of thanks was proposed by Sh. Alok Yadav, Scientist-E. About 100 people participated in the series of lectures through online mode and more than 50 people offline including Prof. Amitabh Kar, Acharya Narendra Dev Agricultural University, Faizabad, the officers and employees, PhD scholars and projects personnel of the centre.

प्रो0 रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.)। विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर पारि - पुनस्थापन वन अनुसंधान केन्द्र,

प्रयागराज द्वारा आज दिनांक 28.02.2022 को प्रो 0 आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथि वक्ता प्रो0 एन0 के0 दूबे, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान, बी.एच.यू., वाराणसी तथा केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। श्रृंखला में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों तथा विभिनन अनुसंधानकर्ताओं द्वारा प्रसिद्ध पारिस्थितिकी विज्ञान के प्रसिद्ध आचार्य, प्रो0 रामदेव मिश्रा के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया गया। केन्द्र प्रमुख डा0 सिंह द्वारा ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को कार्यक्रम विशेष से अवगत कराया तथा विज्ञान जगत में प्रो0 रामदेव मिश्रा के योगदान से अवगत कराया। उद्घाटन भाषण में मूर्धन्य प्रो0 आर0 मिश्रा की सुपुत्री गोपा पाण्डेय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा उद्घाटन भाषण में पारिस्थितिकी के अंतर्गत औषधीय पौधों की आवश्यकता तथा इस क्षेत्र में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के हस्तक्षेप पर चर्चा की। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डा0 कुमुद दूबे ने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो0 आर0 मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका सम्पूर्ण परिचय दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने अतिथि वक्ता प्रो0 एन0 के0 दूबे, को कार्यक्रम में उपस्थित होने हेतु धन्यवाद देने के साथ ही उनके परिचय के अंतर्गत कार्यक्षेत्र स्थान व योगदान पर प्रकाश डाला। अतिथि वक्ता प्रोफेसर दूबे द्वारा स्थानीय रूप से भारत के जातीय औषधीय पौधो के संदर्भ में विश्व स्तर पर कार्य करने हेतु विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरुआत भारतीय पारिस्थितिक जगत के पितामह कहे जाने वाले प्रो0 आर0 मिश्रा के उत्कृष्ट कार्यों से की। उन्होंने औषधीय पौधों का महत्व बताते हुए इसके इतिहास पर चर्चा की। उनके अनुसार वन नहीं तो दुनिया सम्भव नहीं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। व्याख्यानमाला श्रृंखला में ऑनलाइन माध्यम से लगभग 100 तथा 50 से अधिक लोगों ने ऑफलाइन प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का सफल आयोजन केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला के नेतृत्व में किया गया। प्रो0 अमिताभ कर, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, फैज़ाबाद के साथ केन्द्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ विभिनन परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

वन नहीं तो दुनिया संभव नहीं: प्रो. मिश्रा

वैज्ञानिकों ने बताये औषधीय पौधों के महत्व

प्रयागराज (नि.सं.)। विज्ञान दिवस के अवसर पर पारि पुनस्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा सोमवार को प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यान माला श्रृंखला का आयोजन ऑन लाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथि वक्ता प्रो. एन.के. दूबे, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान, बी.एच.यू., वाराणसी तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। श्रृंखला में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों तथा विभिन्न अनुसंधानकर्ताओं द्वारा प्रसिद्ध पारिस्थितिकी विज्ञान के प्रसिद्ध आचार्य, प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया गया। उद्घाटन भाषण में मूर्धन्य प्रो. आर. मिश्रा की सुपुत्री गोपा पाण्डेय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा द्वारा उद्घाटन भाषण में पारिस्थितिकी अंतर्गत औषधीय पौधों की आवश्यकता तथा इस क्षेत्र

में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के हस्तक्षेप पर चर्चा की। कार्यक्रम आयोजक डॉ. कुमुद दूबे ने भारतीय पारिस्थितिकी जगत के पितामह प्रो. आर. मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनका सम्पूर्ण परिचय दिया। अतिथि वक्ता प्रोफेसर एन.के दूबे द्वारा स्थानीय रूप से भारत के जातीय औषधीय पौधो के संदर्भ में विश्व स्तर पर कार्य करने के लिये विचार करने का आह्वान किया। अपने व्याख्यान की शुरुआत भारतीय पारिस्थितिक जगत के पितामह कहे जाने वाले प्रो. आर. मिश्रा के उत्कृष्ट कार्यों से की। उन्होंने औषधीय पौधों का महत्व बताते हुए इसके इतिहास पर चर्चा की। उनके अनुसार वन नहीं तो दुनिया सम्भव नहीं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। व्याख्यान माला श्रृंखला में ऑनलाइन माध्यम से लगभग 100 तथा 50 से अधिक लोगों ने ऑफ लाइन प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी. शुक्ला के नेतृत्व में किया गया।

अमर उजाला

न्यूज डायरी

प्रो. रामदेव मिश्रा की स्मृति में हुई परिचर्चा

प्रयागराज। विज्ञान दिवस के मौके पर पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने विज्ञान जगत में प्रो. रामदेव मिश्रा के योगदान के बारे में चर्चा की। प्रो. आर मिश्रा की बेटी गोपा पांडेय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा ने अपने संबोधन में पारिस्थितिकी के अंतर्गत औषधीय पौधों की आवश्यकता एवं इस क्षेत्र में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के हस्तक्षेप पर चर्चा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, एनके दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी शुक्ला, प्रो. अमिताभ कर, आचार्य नरेंद्र देव के साथ-साथ कई बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। ब्यूरो

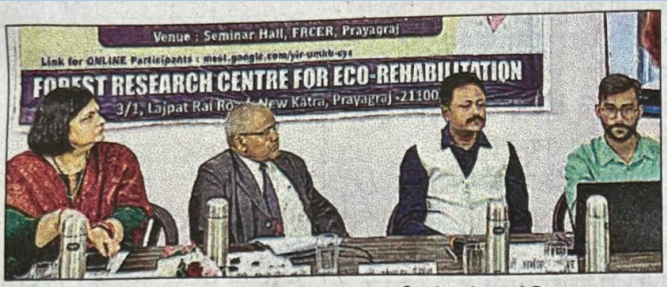

पारि पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में मौजूद वक्ता। ● हिन्दुस्तान

औषधीय पौधों के महत्व को समझना होगा : प्रो दुबे

प्रयागराज। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. एनके दुबे ने प्रो. आर मिश्र मेमोरियल व्याख्यानमाला में कहा कि औषधीय पौधों के महत्व को समझना होगा। विज्ञान दिवस के अवसर पर सोमवार को पारि पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में प्रो. दुबे ने कहा कि औषधीय पौधे ग्लोबली एक्ट लोकली में बहुत मददगार होंगे। प्रो. आर मिश्र की पुत्री व भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त गोपा पांडेय ने औषधीय पौधों की उपयोगिता पर बिचार रखा। केंद्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने प्रोफ़ेसर आर मिश्र के योगदान की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनीता तोमर ने विचार रखे।